(b) if so, the details thereof; and

(c) whether this Director General of Supplies and Disposals is still in service?

THE MINISTER OF SUPPLY AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI R. K. KHADILKAR): (a) and (b). The matter is still under consideration.

(c) Yes, Sir.

Infiltration by Pakistanis into Jammu, Kashmir, Assam and Rajasthan

*644. SHRI S. K. TAPURIAH: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Pakistani infiltration into Jammu, Kashmir, Assam and Rajasthan has increased considerably during the last six months;

(b) if so, the estimated number of Pakistani who crossed into India in those States during the above period;

(c) the number out of them arrested so far; and

(d) the steps taken by Government to check this infiltration?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI L. N. MISHRA). (a) to (d). The information is being collected from the State Governments concerned by the Ministry of Home Affairs and will be laid on the Table of the House.

रूस तथा अन्य देशों को काजू का निर्यात

*645. **श्री रघुवीर सिंह शास्त्री** : : क्या **वैदेशिक व्यापार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रूस को काजू के निर्यात में पर्याप्त वृद्धि होने के बावजूद अक्टूबर 1969 को समाप्त होने वाले पिछले दस महीनों में काजू के निर्यात में कमी हुई है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) इस क्षेत्र में भारत को किन देशों से प्रतिस्पर्धा करना पड़ती है और किन देशों को भारतीय काजू का निर्यात कम हुआ है ; और

(घ) काजू के निर्यात को बढ़ाने के लिए सरकार का विचार क्या कार्यवाही करने का है ?

वैदेशिक व्यापार मंत्रालय में उप-मन्त्री (श्री राम सेवक) : (क) काजू निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा दिये गये अन्तिम आंकड़ों के अनुसार जनवरी- अक्तूबर 1968 की तुलना में जनवरी-अक्टूबर, 1969 में काजू की गिरियों के निर्यात में सीमान्त गिरावट आई है ।

(ख) इसका कारण वर्ष 1968 में अमरीकी खरीदारों द्वारा दिसम्बर, 1968 से फरवरी 1969 तक हुई अमरीकी अतलांटिक पत्तनों म लांगशोरमेन की हड़ताल की आशंका के कारण अपनी आवश्यकता से अधिक भंडार जमा कर लेने, अगस्त, 1969 में कोचीन पत्तन में बन्दरगाह के कर्मचारियों द्वारा हड़ताल के कारण कच्चे काजू के आयात में गड़बड़ी, सितम्बर, 1969 में तंजानिया और भारत के बीच कच्चे काजू के व्यापार की शर्तों में परिवर्तन और अन्य उत्पादक देशों मे बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा है ।

(ग) कीनिया, तंजानिया, मौजाम्बीक, पुर्तगाल तथा ब्राजील प्रतियोगी देश हैं । जनवरी-अक्टूबर, 1968 की तुलना में जनवरी अक्टूबर, 1969 में जिन महत्वपूर्ण देशों को होने वाले निर्यातों में गिरावट आई वे ये हैं : अमरीका, ब्रिटेन, कनाडा तथा पश्चिम जर्मनी ।

(घ) भारत सरकार द्वारा प्रायोजित काजू निर्यात संवर्धन परिषद्, कोचीन ने निर्यात बढ़ाने के लिए अनेक निर्यात संवर्धन उपाय किये हैं यथा : बाजार-जानकारी, का प्रसार, विदेशों में प्रचार करना, प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय मेलों और

प्रदर्शनियों में भाग लेना आदि । वर्ष 1964 में स्थापित किये गये ब्रसेल्स स्थित खाद्य उत्पादन सम्बन्धी भारतीय कार्यालय भी आयातकों, खुदरा व्यापारियों, उपभोक्ताओं तथा पश्चिम योरुप में खाद्य मदों से सम्बन्धित संस्थाओं के स्तर पर, भारतीय काजू के लिए, विशेषत: छिलके सहित काजू के लिए, जिससे अन्य प्रतियोगियों की तुलना में निर्यातित भारतीय काजू की प्रतिशतता अधिक बनती है, संवर्धन सम्बन्धी कार्य कर रहा है। काजू उद्योग के आधुनिकीकरण हेतु सुविधाएं विचाराधीन है । कच्चे काजू के स्वदेशी उत्पादन को बढ़ाने के लिए भी उपाय किये जा रहे हैं ।

Talks with Soviet Leaders on Kashmir

*646. SHRI KANWAR LAL GUPTA: SHRI BANSH NARAIN SINGH:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether he had talks with the Soviet leaders about Kashmir when he visited Moscow in September, 1969; and

(b) if so, whether the Soviet Leaders assured him that U.S.S.R. would support India on Kashmir?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI DINESH SINGH): (a) and (b). Soviet leaders have reiterated that their stand on Kashmir remains unchanged.

Eye Operation Camps Opened by India in Nepal

*647. SHRI D. N. PATODIA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Indian Embassy at Kathmandu recently opened some camps for the purpose of performing eye operations in Nepal;

(b) whether the services of Indian Doctors in these camps were given completely free;

(c) if so, the number of persons who were operated upon or treated by the Indian Doctors; and

(d) whether Government have sent similar teams in other Asian countries in the recent past or propose to send and if so, the particulars thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) 11,303 patients were treated; 1478 eye operations were performed; 1170 cases of correction of refractory errors were done, and 738 patients were provided with free glasses.

(d) Government have not sent such teams to any other country, so far.

Closure of Jute Mills

*648. SHRI INDRAJIT GUPTA: Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 425 on the 19th November, 1969 and state:

(a) the names of Jute Mills which were closed for lack of finances between September and October, 1969;

(b) whether Government propose to conduct any inquiry into the actual financial position of such mills;

(c) whether it is a fact that the Kanknarrah Company Ltd., despite an accumulated debit balance of Rs. 80 lakhs has recently raised emoluments of its Managing Directors to undesirable levels;

(d) whether the National Company Ltd., has obtained loans of over Rs. 3 crores from the State Bank of India against non-existent stocks of jute; and

(e) if so, the action proposed to be taken in case of such mills to avoid their closure?

THE MINISTER OF FOREIGN TRADE (SHRI B. R. BHAGAT): (a) and (b). Two mills, namely, Naskarpara Jute Mills and Alliance Jute Mills have remained closed for lack of finances for some time and these